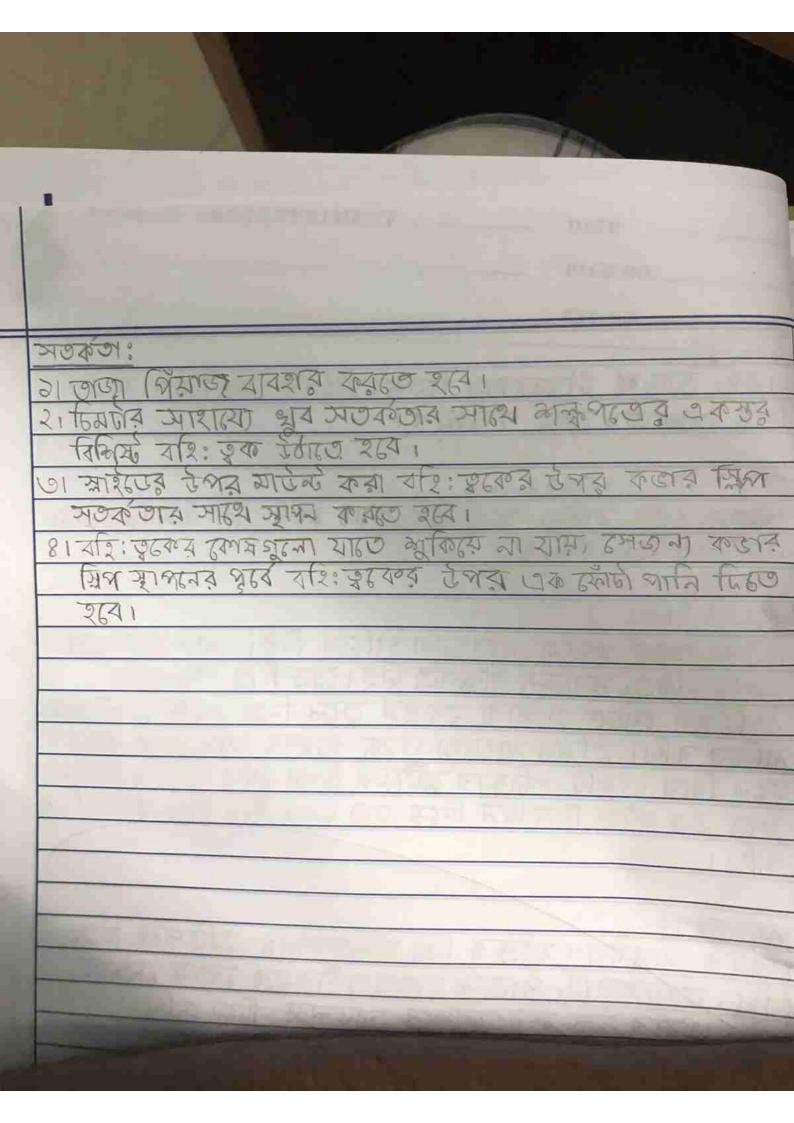
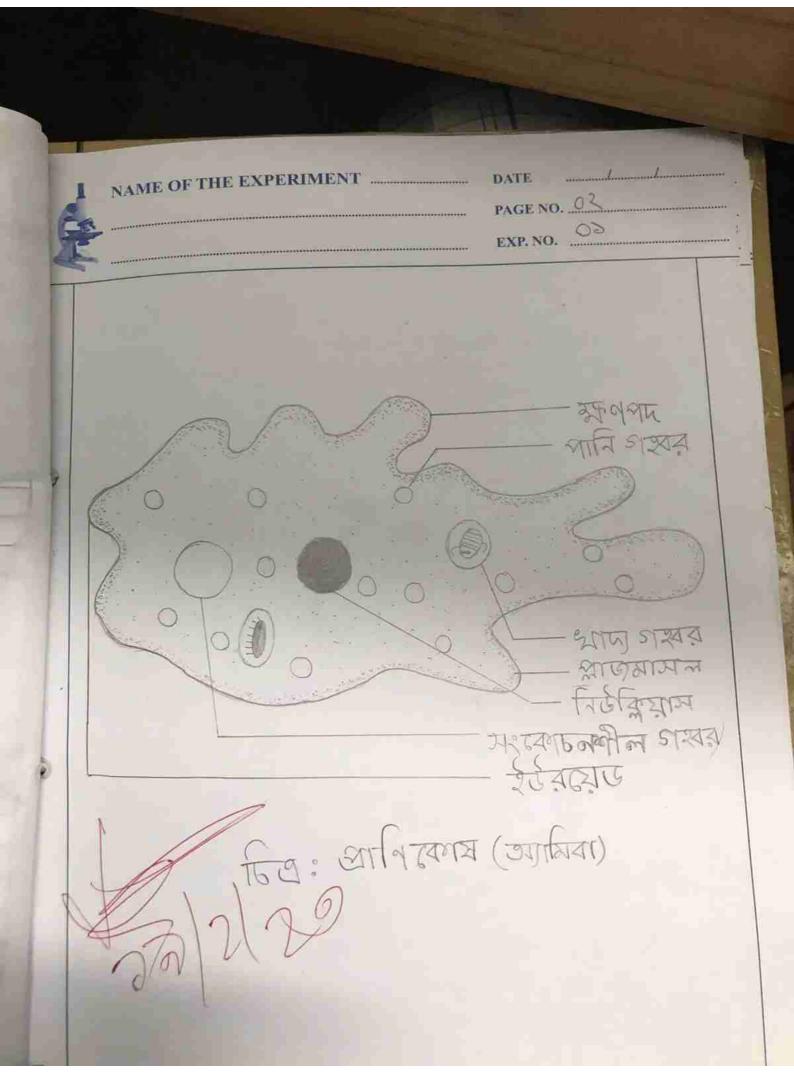
and the second	NAME OF THE EXPER	UMENT पेरिक द्वाघ दिवकेकन	PAGE NO.	
				– বেশম গহ্বর — সাই গেপ্লাড্য
				- নিটক্লিয়াস
				- 130151 SUPIS
	100: E	पुरुष दिनास (६०	নৈৰে)	

मूलाउड़ ः একটি আদেশ উদ্ভিদ বেশ্যে হিসেবে মৌলিক অনুবীয়াণ যত্ত্বের निहि निशास्त्रिय विश्व निर्मात्त्रम् । প্রয়োজমীয় উপকরণ: প্রিটাড়ে, রেও, ফ্রাইড, কঙার দ্লিপ, ওয়াচ প্লাসা, তুলি, গ্রিসারিন এবং ত্যপুৰীন্ধণ যাব (মোগিক) কার্যের প্রারাঃ लियां हिर्दिक अस्तिता हिर्मा श्रीति क्रियां विक्रे । अया में शिक्षा वकि कीए, रामाला भन्ने अय तिरे। द्वर दिस अन्वलवार नेपरिवाश शिरक प्रामाना कुक्स इस्न निस् उसि आहम निस्व পাतित्व वाधा द्वीनं याशस्या उमा शास्त्र भावि धारक दुक्य स তুনে নিয়ে একটি পরিফার স্লাইডির উপর রাখি। এবার ইক্সধের रेल्स एक हमारी शिमारित पिरम जात रेल्स सित शिख कलाय मिल याह्य। भग्रात्यस्य: योशिक अधूमिसन यात्य व तिस् अध्यानम्बद्धात्र आहमार्क विद्य सिर्धा क्यांग्रेशकार्धां भावना दिवास वाही संगुद्ध दिवास विस्थित অভিনয় দিয়ে চেখি। প্রতিটি हार्यान एक सम्मान्यान स्वास नाएना, प्राचायुक्त (शाहित आए) स, द्वास डाइवर्स पुत्र प्रमार्श प्रकृष्टि निर्देशियाम हर्माट हिनाम श्राधित ए दिन द्वीय दिनाम शक्य ए ए ए ए ए दिन दिन स्था । अफाउ: विष्ठाएं। निर्विक्षामिति दिलास्त्र प्रकलाहत महि भावलय ठाइवीसन यास्त्र विक्त मुनामान दकाय सुहन्ताल न्यापन सिहार स्वाय यात्रा यात्रा

CP





म्याण्यः একটি আদল প্রাণ্টেকাম হিলেবে ল্রাভাবত অপ্রায়ণ মন্তের निद्ध लामिका नर्माद्वस्त्रन । ल्याजनेय देशकाशः অর্বীর্রপ্যর (টোলিক), সাইত, কঙার স্থিম, তপার, পেট্রিতিস, পিপেট, কার্চর দত্ত, কার্চর কার্চি ও পারি কার্ডার পরাঃ कारण भूक है। विकास महा दुर्जा या श्राहर व कारण है। यन भामा के के विषे मार्थ मंद्रिय कि विष कि विष कार्ष्ट्र यादिए हम्ही कालेश भामित्र यहारहरू मह पिर्व यादि आह्य नाप्रण शाकि। एटाइव किन्स्य ह्नहण् वा हिरिक अक्याहन प्रिवणाव द्वर्ध पिरे। कार्टित पाद्य जनाम द्वाल प्रकार পিপেট দিয়ে ঐ তলানি তুলে পেট্রিডিমে জন্ম করি। একার ভুপার िरम् ध्रक रिकाणे एन्मान काहित्र सारिए इटन कहात्र स्त्रित्र पिरम् मिया देखियान अयं तार्यक्षिय मध्येय प्रिक्ष कार्य। नियद्वस्य: आहेट एकडे एपिक हमिक कहा है आणा भूछि कबरन है जाहि किस्ये प्राप्त किहार हिन स्थार सार्व निर्धान यामिक। पुस्त यह सम्भागम ए शहान हम्मा कार्र एवर दिनमिटिक द्वस्त्र कहत प्राणसाहन्या नासक एक हि यहाँ हार्य नारे। এरए दिस्तिर्याहम् मरण स्वारम सामिए थारिक या। मिक्राकु: वर्षात्रमाकृष्ठ ख्राष्ट्र वस्ताव्य यह सम्बार ए अस्यवं विस्त्राप्त प्रवास विवासिक्त रवर्धन कुछ प्राक्रमाहनमा नासक प्रकृति वर्षा

